जनपद–वाराणसी की भ्रमण आख्या

भ्रमण टीम– डॉ0 मधु शर्मा, महाप्रबंधक–नियोजन श्री अभिषेक सोनी, सलाहकार–नियोजन श्री मो0 इलयास, कार्यक्रम समन्वयक–नियोजन	**दिनांक–** 05–06 अक्टूबर 2016 **स्थान –** जनपद– वाराणसी

राज्य स्तरीय गठित टीम द्वारा दिनांक 05–06 अक्टूबर 2016 को जनपद वाराणसी का भ्रमण किया गया। भ्रमण की संक्षिप्त रिपोर्ट निम्वत है–

दिनांक– 05.10.2016, समय– 12 : 05 बजे

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–पिण्डरा

- स्वास्थ्य केन्द्र, सड़क के समीप आबादी के पास स्थित है, जहां रोगियों को पहुचनें में सुगमता रहती है। स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रत्येक दिवस ओ0पी0डी0 में लगभग 200 एवं प्रत्येक माह इंडोर में 100 रोगियो को भर्ती कर उपचार किया जाता है।
- उक्त केन्द्र पर चार चिकित्सा अधिकारी दो सविंदा एंव दो नियमित, दो सविंदा स्टाफ नर्स–, तीन ए0एन0एम0–नियमित सेवा, की तैनाती की गयी है।
- माह सितम्बर 2016 में कुल 539 मे से 529 प्रसव आशा के माध्यम से होना बताया गया जोकि अव्यावाहरिक प्रतीत होता है। जबकि स्वास्थ्य केन्द्र आबादी के बीच मुख्य बाजार में में ही स्थित है। इस सम्बंध में एच0ई0ओ0 को निदेर्शित किया गया कि वह उक्त का अध्ययन करें।
- प्रसव कक्ष में मातृ स्वास्थ्य निर्धारित 17 प्रोटोकॉल पोस्टर प्रदर्शित नहीं किये गये थे और इकाई परिसर में परिवार नियोजन, जे0एस0एस0के0 आदि के दीवार लेखन, पोस्टर आदि भी नहीं लगे थे, जिस हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया कि उक्त पोस्टर एवं आई0ई0सी0 साम्रगी जिला कार्यक्रम प्रबन्धक से प्राप्त कर लें एवं नियमानुसार प्रर्दशित करें।
- इमरजेंसी ट्रे में लेविलिंग नहीं की गयी थी, जिस हेतु प्रसव कक्ष में डयूटी पर तैनात स्टाफ नर्स को निदेर्शित किया गया कि वह सम्बन्धित औषिध का नाम लिखकर चिपकायें एवं टीम को अवगत करायें।
- मातृ मृत्यु समीक्षा बैठकें नहीं की जा रही हैं, जबकि रजिस्टर का निरीक्षण करने पर ज्ञात हुआ कि गत वर्ष 5 मृत्यु रिपोर्ट की गयीं हैं। जिनके स्पष्ट कारण रजिस्टर में नहीं है। इस सम्बंध में चिकित्सा अधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक का

नियमानुसार आयोजन कर समीक्षा करें और प्रसव दौरान होन वाली मृत्यु के कारणों की विवेचना कर रणनीति बनाई जाय।

- आर.के.एस. रजिस्टर का निरीक्षण करने पर ज्ञात हुआ कि माह जनवरी 2016 के पश्चात माह जून एवं जुलाई के मिनट्स लिखे गये हैं। इन माह के मध्य की जाने वाली बैठकों की दिनांक लिखकर छोड दिया गया है, जोकि यह व्यक्त करता है कि बैठकें आयोजित की जा रहीं हैं, परन्तु उनकी कार्यवाही नहीं लिखी जा रही है। इस सम्बंध में चिकित्सा अधिकारी को निदेर्शित किया कि उक्त बैठक का नियमित संचालन के साथ साथ कार्यवाही एवं निर्णय का विवरण सहित रिर्काड रखना सुनिश्चित करें।
- गत वर्ष स्वास्थ्य केन्द्र पर कुल 2220 प्रसव कराये गये जिनमें से कुल 1885 प्रसूताओं को जे0एस0वाई0 कार्यक्रम के अन्तर्गत दी जाने वाली प्रोत्साहन धनराशि उनके बैंक खाते में अवमुक्त कर दी गयी है। निरीक्षण के दिवस सितम्बर माह तक के 235 प्रसूताओं को धनराशि अवमुक्त नहीं की गयी, इस सम्बंध में चिकित्सा अधिकारी को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक माह के अधिकतम भुगतान करने का प्रयास करें साथ ऐसे प्रसूता जिन के खाते नहीं उनके पति के खाते में धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बंध में प्रेषित आर्डर का अनुसरण करें। इसके पश्चात भी भुगतान शेष रहता है तो उन प्रसूताओं की सूची कारण सहित तैयार कर लें और आशा के माध्यम से सूचना प्रेषित की जाय।

<u>उपकेन्द.– सिंथौरा</u>

- उपकेंन्द्र सरकारी भवन में संचालित की जा रही है। भवन स्वच्छ एवं साफ है।
- आशा, आगंनबाड़ी एवं ए0एन0एम0 द्वारा सत्र पर गर्भवर्ती महिलाओं एवं शिशुओं को टीकरण किया जा रहा था। भ्रमण के समय 40 में 21 लाभार्थीयों को सेवा प्रदान की जा चुकी थी।
- ए0एन0एम0 द्वारा प्रसव कराया गया, प्रसूता उपकेन्द्र पर उपस्थित थी। प्रसूता से बात करने ज्ञात हुआ के ए0एन0एम0 द्वारा अच्छी सेवाएं प्रदान की जा रही है।
- सत्र पर लक्षित लाभार्थीयों की सूची उपलव्ध थी एवं आशा और आंगनबाड़ी को लक्षित लाभार्थीयो की उचित जानकारी थी।
- ए0एन0सी0 की सुविधाएं जैसे व्लड़ प्रेशर, बज़न लेना एवं हीमोग्लोविन आदि की जांच नहीं की जा रहा है। ए0एन0सी0 रजिस्टर का निरीक्षण करने पर ज्ञात हुआ की सभी गर्भवती महिलाओं का बी0पी0 120/80 दर्शाया गया है जोकि अव्यावहारिक है। इस सम्बंध में टीम द्वारा निदेर्शित किया गया कि महिलाओं का नियमित चैकअप करें एंव सही माप का अंकन किया जाये।

- ए0एन0एम0 द्वारा अत्याधिक रक्त की कमी वाली महिलाओं की अलग से सूची तैयार नहीं की जा रही थी इस हेतु निर्देश दिये गये कि अत्याधिक रक्त की कमी वाली गर्भवती महिलाओं की सूची तैयार कर लें और उनको आयरन की गोली उपलब्ध करायें।
- सत्र पर पौष्टिक आहार उपलब्ध नही था। सहयोग प्रदान कर रही आगंनबाड़ी से वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि पौष्टिक आहार की अपूर्ति नहीं हुयी है। जिसके कारण सत्र पर पौष्टिक आहार वितरण नहीं हो पर रहा। आंगनबाडी को निर्देशित किया गया कि आहार की अपूर्ति होने के पश्चात सत्र पर आये लाभार्थीओं को उपलब्ध करायें।
- आशा के पास डग किट है। परन्तु ज्ञात हुआ कि उसमें औषिध नहीं थी। इस सम्बंध ए0एन0एम0 एवं बी0पी0एम0 को निदेर्शित किया गया कि वह दिशानिर्देश के अनुरूप किट में औषिध उपलब्ध करायी जायं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–एफ0आर0यू0 – चोलापुर

- स्वास्थ्य केन्द्र का परिसर साफ एवं स्वच्छ था। भवन अच्छी स्थिीति में है।
- स्वास्थ्य केन्द्र, सड़क के समीप आबादी के पास स्थित है, जहां रोगियों को पहुचनें में सुगमता रहती है। स्वास्थ्य केन्द्र पर प्रत्येक दिवस ओ0पी0डी0 में लगभग 350 एवं प्रत्येक माह इंडोर मे 150 रोगियो को भर्ती कर उपचार किया जाता है।
- माह सितम्बर में कुल 537 जिसमे से 525 लाभार्थीओं को जे0एस0वाई0 का भुगतान कर दिया गया। साथ ही आशा द्वारा लायी गयी 431 लाभार्थीयों हेतु प्रदान किया जाने वाला इनशेन्टिव का भुगतान भी किया जा चुका था।
- रिकार्ड़ जैसे जे0एस0वाई रजिस्टर, जे0एस0एस0के रजिस्टर, आर0के0एस0 रजिस्टर आदि में सूचनाओं का सही विवरण एंव तर्कसंगत सूचनाओं को अकिंत किया जा रहा है, जिससे व्यय की गयी धनराशि एवं प्रदान की सेवा का रिकार्ड व्यवस्थित रूप रखा गया है।
- प्रसव कक्ष साफ एवं स्वच्छ था। कलर कोड डस्टविन उपलब्ध थी जिसमें कचरा आदि डाला जा रहा था। गत माह 173 प्रसव कराये गये जिसमें 1 सीजेरियन प्रसव है।
- एफ0आर0यू0 हेतु निर्धारित 19 प्रोटोकॉल पोस्टर के स्थान कुछ पोस्टर प्रसव कक्ष में प्रदर्शित थें, इनके प्रयोग के बारें स्टाफ नर्स को निदेर्शित किया गया कि वह इन पोस्टर्स का अनुपालन करें।
- स्वास्थ्य इकाई पर प्राटोग्रफ के प्रपत्र उपलब्ध हैं परन्तु उनका प्रयोग नहीं हो रहा है। वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि प्रसूता ऐसी अवस्था में केन्द्र पर आती हैं कि तुरन्त प्रसव

कराना अनिवार्य होता अर्थात प्रसव की अनिवार्यता को देखते हुये प्रपत्र नहीं भर पाते। इस हेतु निदेर्शित किया गया कि वह इसे प्रयोग में लायें।

दिनांक– 06.10.2016
जिला महिला चिकित्सालय–वाराणसी

- यह चिकित्सालय महिला चिकित्सालय है। चिकित्सालय का भवन पुराना है, वर्तमान में एक 100 बैडस एम0सी0एच0 विंग्स का निर्माण किया जा रहा है,जोकि अगामी छः माह में पूर्ण होने की सम्भावना है।
- एस.एन.सी.यू. स्थापित है भ्रमण के दौरान सभी बैड उपयोगित किये जा थे। अर्थात बैड उपयोगिता दर 95 प्रतिशत से अधिक है।
- प्रसव कक्ष में सफाई थी। इमरजेंसी टे उपलब्ध थी। भ्रमण के समय प्रसव कार्य चल रहा था।
- प्रोटोकाल पोस्टर सहीं नहीं लगे थे।
- महिला जिला चिकित्सालय में किशोरी स्वास्थ्य क्लीनिक की स्थापना की गई थी जिसमें एफ0पी0 काउन्सलर्स एवं ए.एच. काउन्सलर दोनो साथ में बैठते है। क्लीनिक में किशोरियों के काउन्सलिंग के लिए गोपनियता/उचित वातावरण नहीं था। केबिन न होने के कारण परामर्श कार्य प्रभावित हो रहा था।
- प्रसव पश्चात कक्ष एवं प्रसव पूर्व कक्ष में आई0ई0सी0 एंव जे0एस0वाई0 के अन्तर्गत दी जाने वाली सुविधाओं आदि की वाल पेंटिग नहीं की गयी।
- प्रसूताओं से वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत दिये जाने वाले भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।
- प्रसूताओं को 102/108 की एम्वूलेंस जानकारी थी और उसका उपयोग भी किया जा रहा है।
- मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक का आयोजन किया जा रहा है परन्तु कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं था। इस सम्बंध में एस0आई0सी0 डॉ0 शैला जी अवगत कराया गया कि बैठक के कार्यवाही हेतु एक रजिस्टर बनाने हेतु सम्बन्धित को निदेर्शित करने का कष्ट करें।
- Methyldopa, Dexamethason, Nifedipine and digital Thermometer उपलब्ध नहीं था। जिसके सम्बंध में फॉरमेसी चीफ को सुझाव दिया गया कि रेगुलर प्रयोग में लाई वाली औषिधयों के उपयोग का आंगणन कर उपलब्धता सुनिश्चित करें।

- शिकायत/सुझाव पेटिका लगी है साथ कमेटी का गठन भी किया जा चुका है परन्तु प्रत्येक माह कितने शिकायती पत्र प्राप्त हुए एवं कितनी शिकायतों का निस्तारण हो गया है, का रिकार्ड प्राप्त नहीं हुआ। इस सम्बंध में चिकित्सालय की एस0आई0सी0 जी को सूचित किया गया साथ निस्तारित किये प्रकरण का उचित रिकार्ड रखने हेतु सुझाव भी दियया।
- चिकित्सालय परिसर में Blood Bank/Blood Storage Unit नहीं है, वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि आवश्यकता होने पर निकट के सरकारी चिकित्सालय से अपूर्ति की जाती है।

सी0एम0ओ0 के साथ फीडबैक बैठक

महाप्रबन्धक–नियोजन द्वारा भ्रमण में के उपरान्त सी0एम0ओ0–वाराणसी के साथ बैठक कर फीडबैक पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही कार्यक्रम को गति प्रदान करने हेतु सुझाव भी दिये गये। जिस पर सी0एम0ओ0 द्वारा सम्बन्धित चिकित्सा अधिकारियों की बैठक कर निदेर्शित करने का आश्वासन दिया गया।

साथ ही एन0एच0एम0 के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों का मानदेय के विलम्व होने पर खेद व्यक्त करते हुए एक समिति गठित करके मानदेय भुगतान में हो रही विलम्ता को दूर कर शीघ्र अति शीध्र भुगतान हेतु सम्बन्धित को निदेर्शित किया गया।